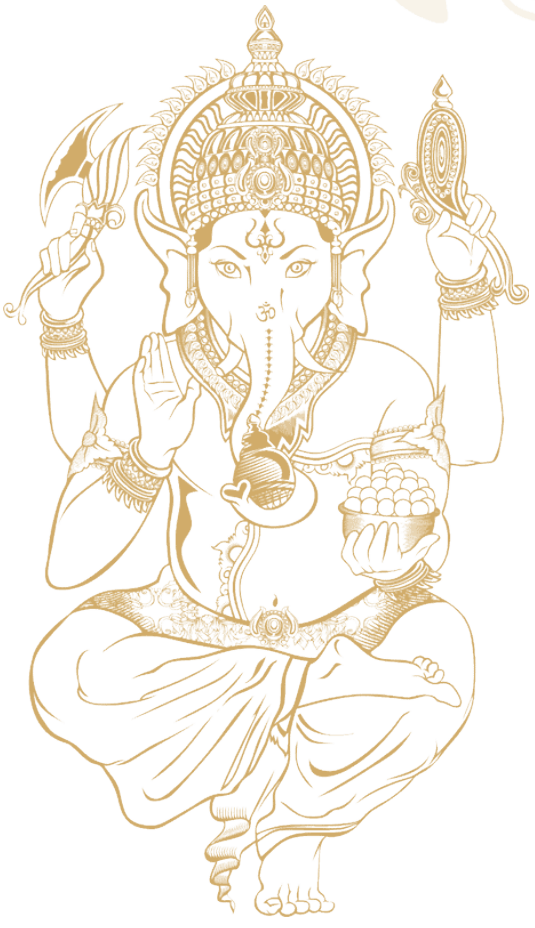

Meen Raj

13 Oct 2001

08:05 AM

Sultanpur

Model: web-freekundliweb

Order No: 121571306

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**13/10/2001**
दिन	शनिवार
जन्म समय	**08:05:00 घंटे**
इष्ट	05:12:49 घटी
स्थान	**Sultanpur**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	26:15:00 उत्तर
रेखांश	82:04:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:01:44 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	08:03:16 घंटे
वेलान्तर	00:13:44 घंटे
साम्पातिक काल	09:30:11 घंटे
सूर्योदय	05:59:52 घंटे
सूर्यास्त	17:35:51 घंटे
दिनमान	11:35:59 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	25:56:59 कन्या
लग्न के अंश	22:35:26 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**सिंह - सूर्य**
नक्षत्र-चरण	**मघा - 2**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	शुभ
करण	बालव
गण	राक्षस
योनि	मूषक
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	वनचर
वर्ग	मूषक
युँजा	मध्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	मी-मीत
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	22:35:26	312:08:34	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	शनि	---
सूर्य			कन्या	25:56:59	00:59:25	चित्रा	1	14	बुध	मंगल	राहु	सम राशि
चंद्र			सिंह	04:40:00	14:39:36	मघा	2	10	सूर्य	केतु	चंद्र	मित्र राशि
मंगल			धनु	26:21:35	00:39:00	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	केतु	मित्र राशि
बुध	व	अ	कन्या	28:04:07	01:12:20	चित्रा	2	14	बुध	मंगल	शनि	स्वराशि
गुरु			मिथु	21:07:44	00:03:57	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	गुरु	शत्रु राशि
शुक्र			कन्या	03:10:29	01:14:17	उ०फाल्गुनी	2	12	बुध	सूर्य	शनि	नीच राशि
शनि	व		वृष	20:51:26	00:01:44	रोहिणी	4	4	शुक्र	चंद्र	शुक्र	मित्र राशि
राहु	व		मिथु	06:07:16	00:06:21	मृगशिरा	4	5	बुध	मंगल	चंद्र	उच्च राशि
केतु	व		धनु	06:07:16	00:06:21	मूल	2	19	गुरु	केतु	राहु	उच्च राशि
हर्ष	व		मक	27:09:52	00:00:52	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	गुरु	---
नेप	व		मक	12:07:20	00:00:10	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	राहु	---
प्लूटो			वृश्चि	19:20:35	00:01:33	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	शुक्र	---
दशम भाव			कर्क	26:15:33	--	आश्लेषा	--	9	चंद्र	बुध	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:52:37

लग्न-चलित

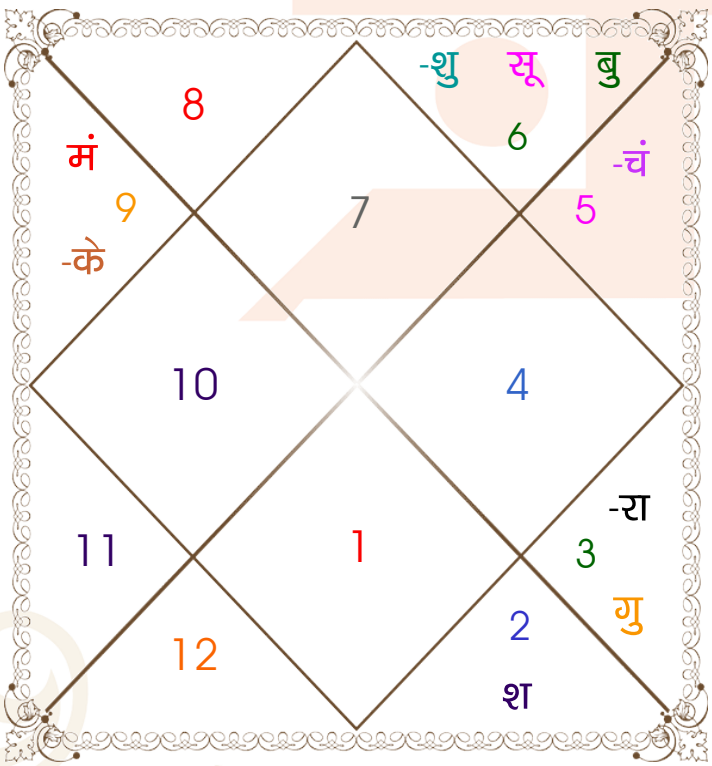

चन्द्र कुंडली

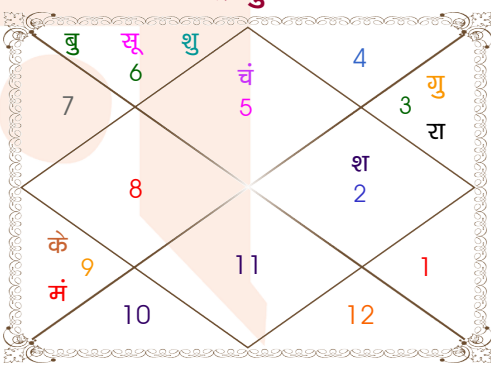

नवमांश कुंडली

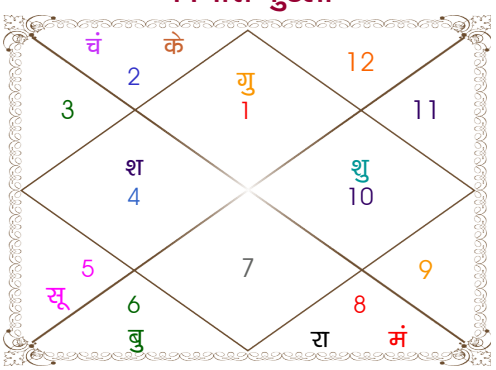

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 4 वर्ष 6 मास 18 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
13/10/2001		02/05/2006		02/05/2026		01/05/2032		02/05/2042	
02/05/2006		02/05/2026		01/05/2032		02/05/2042		01/05/2049	
	00/00/0000	शुक्र	31/08/2009	सूर्य	19/08/2026	चंद्र	02/03/2033	मंगल	28/09/2042
	00/00/0000	सूर्य	31/08/2010	चंद्र	18/02/2027	मंगल	01/10/2033	राहु	16/10/2043
	13/10/2001	चंद्र	01/05/2012	मंगल	26/06/2027	राहु	02/04/2035	गुरु	21/09/2044
चंद्र	03/11/2001	मंगल	01/07/2013	राहु	19/05/2028	गुरु	01/08/2036	शनि	31/10/2045
मंगल	01/04/2002	राहु	01/07/2016	गुरु	08/03/2029	शनि	02/03/2038	बुध	28/10/2046
राहु	20/04/2003	गुरु	02/03/2019	शनि	18/02/2030	बुध	01/08/2039	केतु	26/03/2047
गुरु	26/03/2004	शनि	02/05/2022	बुध	25/12/2030	केतु	01/03/2040	शुक्र	26/05/2048
शनि	05/05/2005	बुध	02/03/2025	केतु	02/05/2031	शुक्र	31/10/2041	सूर्य	30/09/2048
बुध	02/05/2006	केतु	02/05/2026	शुक्र	01/05/2032	सूर्य	02/05/2042	चंद्र	01/05/2049

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
01/05/2049		02/05/2067		02/05/2083		03/05/2102		03/05/2119	
02/05/2067		02/05/2083		03/05/2102		03/05/2119		00/00/0000	
राहु	13/01/2052	गुरु	19/06/2069	शनि	05/05/2086	बुध	28/09/2104	केतु	29/09/2119
गुरु	07/06/2054	शनि	31/12/2071	बुध	12/01/2089	केतु	26/09/2105	शुक्र	28/11/2120
शनि	13/04/2057	बुध	07/04/2074	केतु	21/02/2090	शुक्र	26/07/2108	सूर्य	05/04/2121
बुध	01/11/2059	केतु	14/03/2075	शुक्र	22/04/2093	सूर्य	02/06/2109	चंद्र	14/10/2121
केतु	18/11/2060	शुक्र	12/11/2077	सूर्य	04/04/2094	चंद्र	01/11/2110		00/00/0000
शुक्र	19/11/2063	सूर्य	31/08/2078	चंद्र	04/11/2095	मंगल	30/10/2111		00/00/0000
सूर्य	13/10/2064	चंद्र	31/12/2079	मंगल	12/12/2096	राहु	18/05/2114		00/00/0000
चंद्र	13/04/2066	मंगल	06/12/2080	राहु	19/10/2099	गुरु	23/08/2116		00/00/0000
मंगल	02/05/2067	राहु	02/05/2083	गुरु	03/05/2102	शनि	03/05/2119		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 4 वर्ष 6 मा 14 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म विश्वाखा नक्षत्र के प्रथम चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। तुला लग्न के संयोजन से मेदिनीय क्षितिज पर जन्मकाल मेष नवमांश एवं मिथुन द्रेष्काण से यह स्मरणीय है कि आप अत्यंत आलसी प्रवृति के प्राणी हैं। इसके प्रभाव से यह भी स्पष्ट है कि आपका भविष्य ईश्वर की अनुकंपा से सांसारिक सुखों से युक्त एवं आप विलासप्रिय जीवन व्यतीत करेंगे।

आप धन संचित करने के लिए अन्य की अपेक्षा अति अनुकूल तरीके से प्रस्तुत होंगे। इस बात से यह भी स्पष्ट है कि आपमें धनोपार्जन की सभी दाव पेंच विद्यमान है। साथ ही आप दो पक्ष को कलह की स्थिति में लाकर अपना लाभ प्राप्त करेंगे। आप मुख्य रूप से अपनी आयु के प्रथम 21 वें वर्ष से 38 वें वर्ष तक 34 वे वर्ष के समयावधि में बहुत धन उपार्जन करेंगे।

आप अनुचित तरीके से बहुसंख्यक व्यक्तियों पर अहंकार की भावना से अधीर होकर आक्रमणकारी रूख आपना कर उसे तंग करने की प्रवृति रखेंगे। अधिकांश व्यक्ति जो आपके संपर्क में आएंगे वे आपकी बचकाना आचरण से अप्रसन्न रह कर आपके शत्रु बन जाएंगे। परंतु आपको अपनी चारित्रिक उच्चता हेतु उत्तम यह है कि आप शक्ति सम्पन्नता प्राप्त करें। अर्थात् मानवीय शक्ति संग्रह करें। तथापि वे लोग आपके स्थायी शत्रु बन ही जाएंगे।

आपका संदिग्ध चरित्र आपकी प्रभावशाली छवि को बेनकाव कर आपको बहुचर्चित एवं कुख्यात प्रदर्शित करेगा। आप धैर्यपूर्वक अपने व्यवहार को नीति पूर्ण बनाकर व्यवहारणीय बनाएं। अन्यथा आपकी समस्त धारणा कलुषित प्रमाणित होगी।

यदि आपकी ऐसी अभिलाषा है कि आप अपने घरेलू वातावरण एवं अपने परिवारिक जीवन को सुव्यवस्थित रखें तो सदा सर्वदा के लिए कुटनीतिज्ञ तरीके का संपादन करना अनुकूल होगा।

संप्रति आप अति वासना प्रिय व्यक्ति हैं। आप अपने जीवन संगिनी की सभी आवश्यकताओं की पूर्ति नहीं कर सके तथा वातावरण छिन्न भिन्न रहा तो आप संतुष्ट तथा प्रसन्न नहीं रहेंगे। आप सावधानी पूर्वक पारिवारिक एवं घरेलू जीवन प्रसन्नतापूर्वक व्यतीत हो सकता है।

आपकी पत्नी आपको सदैव अच्छी प्रकार से प्रसन्न रखेगी तथा ऐसी आशा है कि आप सदैव अच्छी संतानों का सुख प्राप्त करेंगे।

आप निरंतर कुशलता पूर्वक सक्रिय रहने वाले प्राणी हैं। आप धनोपार्जन हेतु पूर्ण रूपेण लक्ष्य के प्रति समर्पित होकर अनेक यात्रा करेंगे। आप असामयिक भोजन एवं मद्य पान एवं अति भोजन के कुप्रभाव से कुछ समय के पश्चात आपके उत्तम स्वास्थ्य को प्रभावित कर देगा। आप यदि ऐसा चाहते हैं कि भविष्य में संभावित रोग यथा ट्यूमर, रक्त प्रवाह की न्यूनता संबंधी आदि रोगों से मुक्त रहें तथा मस्तिष्क रोग एवं मूत्र संबंधी रोग की परेशानी से

वंचित रहें तो खान-पान के संबंध में सतर्कता पूर्वक आचरण करें।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आप अंकों में 3, 5, 6 एवं 9 अंक को छोड़कर 1, 2, 4 एवं 7 अंक का व्यवहार करें क्योंकि ये अंक अनुकूल फलदायी है।

आप रंगों में लाल, नारंगी एवं सफेद रंग को धारण करें तथा रंग पीला एवं हरा रंग आपके लिए त्याज्य हैं।